कर्त्तव्य पथ

प्रलिमि्स के लयि:

नेताजी सुभाष चंद्र बोस, कर्त्तव्य पथ, सेंट्रल वसि्टा।

मेन्स के लयि:

कर्त्तव्य पथ और उसका महत्त्व, राजपथ का इतहिास।

चर्चा में क्यों?

हाल ही में प्रधानमंत्री ने **' कर्त्तव्य पथ'** का उद्घाटन और इंडयिा गेट पर **नेताजी सुभाष चंद्र बोस** की प्रतमिा का अनावरण कयिा।

प्रमुख बदिु

- **कर्त्तव्य पथ** सत्ता के प्रतीक के रूप में पूर्ववर्ती राजपथ से सार्वजनकि स्वामतिव और अधकिारिता का उदाहरण होने के कारण कर्त्तव्य पथ में बदलाव का प्रतीक है।
- [नेताजी सुभाष चंद्र बोस](#) की प्रतमिा उसी स्थान पर स्थापति की जाएगी जहाँ पराक्रम दविस (23 जनवरी 2022) पर होलोग्राम प्रतमिा का अनावरण कयिा गया था।
  - ग्रेनाइट से बनी यह प्रतमिा **स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी के अपार योगदान के लयि उपयुक्त श्रद्धांजलि है और उनके प्रति देश के ऋणी होने का प्रतीक होगी।**
  - **श्री अरुण योगीराज**, जो मुख्य मूर्तकिार थे, द्वारा तैयार की गई, 28 फीट ऊँची प्रतमिा को अखंड ग्रेनाइट पत्थर से उकेरा गया है और इसका वजन 65 मीट्रकि टन है।
- ये कदम प्रधानमंत्री के दूसरे 'पंच प्राण' के अनुरूप हैं, जो [75 वें स्वतंत्रता दविस 2022](#) के दौरान **अमृत काल** में न्यू इंडयिा के लयि प्रतज्ञि की गई थी कि: **'औपनविशकि मानसकिता के कसिी भी नशिान को मटिा दें'।**

राजपथ के कायाकल्प की ज़रूरत:

- वर्षों से राजपथ और [सेंट्रल वसि्टा एवेन्यू](#) के आसपास के क्षेत्रों में आगंतुकों के बढ़ते यातायात का दबाव देखा जा रहा था, जसिसे इसके बुनयिादी ढाँचे पर दबाव पड़ रहा था।
  - **सेंट्रल वसि्टा एवेन्यू** सरकार की महत्वाकांक्षी सेंट्रल वसि्टा पुनर्वकिास परयिोजना का हसि्सा है।
- इसमें सार्वजनकि शौचालय, पीने के जल, स्ट्रीट फर्नीचर और पर्याप्त पार्कगि स्थान जैसी बुनयिादी सुवधिाओं का अभाव था।
- इसके अलावा **अपर्याप्त साइनबोर्ड, जल की सुवधिाओं का खराब रख-रखाव और बेतरतीब पार्कगि थी।**
- साथ ही गणतंत्र दविस परेड और अन्य राष्ट्रीय कार्यक्रमों को कम व्यवधान तरीके से आयोजति करने की आवश्यकता महसूस की गई, जसिमें सार्वजनकि आंदोलन पर न्यूनतम प्रतबिंध हो।
- वास्तुशलि्प की अखंडता और नरिंतरता को सुनश्चिति करते हुए इन चतिाओं को ध्यान में रखते हुए पुनर्वकिास कयिा गया है।

राजपथ का संक्षप्ति इतहिास :

- ब्रटिशि शासन के दौरान इसे **कग्सिवे** कहा जाता था जसिे **एडवनि लुटयिंस और नई दल्लिी के आर्कटिेक्ट हरबर्ट बेकर** द्वारा सौ वर्ष से भी पूर्व एक **औपचारकि मार्ग के रूप में** डज़िाइन कयिा गया था।
- **वर्ष 1911 में राजधानी कलकत्ता से नई दल्लिी स्थानांतरति** की गई और उसके बाद कई वर्षों तक नरि्माण कार्य जारी रहा।
- लुटयिंस ने एक **"औपचारकि धुरी"** के आसपास केंद्रति **आधुनकि शाही शहर की अवधारणा** प्रस्तुत की जसिे भारत के तत्कालीन **सम्राट जॉर्ज पंचम के सम्मान** में कग्सिवे नाम दयिा गया था, जन्होंने वर्ष 1911 के दरबार के दौरान दल्लिी का दौरा कयिा था, जहाँ उन्होंने औपचारकि रूप से राजधानी को स्थानांतरति करने के नरि्णय की घोषणा की थी।

- इसका नामकरण **लंदन में स्थति कगि्सवे मार्ग के नाम पर हुआ, जो वर्ष 1905 में बनी एक मुख्य सड़क थी** , जसिका नाम जॉर्ज पंचम के पति **कगि एडवर्ड सप्तम** के सम्मान में रखा गया था।
- वर्ष 1947 में स्वतंत्रता के बाद इस मार्ग को हदिी नाम '**राजपथ**' दयिा गया, जसि पर के गणतंत्र दविस परेड होती है।

कर्त्तव्य पथ और उसका महत्व:

- ग्रैंड कैनोपी के नीचे **नेताजी की प्रतमा से लेकर राष्ट्रपतभिवन तक का पूरा खंड और क्षेत्र** कर्त्तव्य पथ के रूप में जाना जाएगा।
- कर्त्तव्य पथ में पूर्ववर्ती **"राजपथ और सेंट्रल वस्टिा लॉन"** शामलि हैं।
- कर्त्तव्य पथ में **लैंडस्केप, वॉकवे के साथ लॉन, अतरिक्ति हरे भरे स्थान, नवीनीकृत छोटी-छोटी नहरें,** एमेनटिी ब्लॉक, बेहतर साइनेज और वेंडगि कयिोस्क प्रदर्शति होंगे।
- इसमें **ठोस अपशष्टि प्रबंधन, जल प्रबंधन, उपयोग कएि गए जल का पुनर्चक्रण, वर्षा जल संचयन, जल संरक्षण और ऊर्जा कुशल प्रकाश व्यवस्था** जैसी कई सुवधिाएँ भी शामलि हैं।
- तत्कालीन राजपथ के दोनों कनिारों पर **पुनर्नरि्मति और वसि्तारति लॉन बड़ी सेंट्रल वस्टिा परयिोजना का हस्सिा** हैं, जहाँ केंद्रीय सचवालय और कई अन्य सरकारी कार्यालयों के साथ एक नए **त्रकिोणीय संसद भवन का पुनर्नरि्माण** कयिा जा रहा है।

सुभाष चंद्र बोस

- **जन्म:**
  - सुभाष चंद्र बोस का जन्म 23 जनवरी, 1897 को ओडशिा के कटक शहर में हुआ था। उनकी माता का नाम प्रभावती दत्त बोस (Prabhavati Dutt Bose) और पिता का नाम जानकीनाथ बोस (Janakinath Bose) था।
    - उनकी जयंती 23 जनवरी को **'पराक्रम दविस'** के रूप में मनाई जाती है।

- **शक्षिा और प्रारंभकि जीवन:**
  - वर्ष 1919 में उन्होंने भारतीय सविलि सेवा (ICS) की परीक्षा पास की थी। हालाँकि बाद में बोस ने इस्तीफा दे दयिा।
  - वह ववि‍ेकानंद की शक्षिाओं से अत्यधकि प्रभावति थे और उन्हें अपना आध्यात्मकि गुरु मानते थे।
  - उनके राजनीतकि गुरु चतिरंजन दास थे।
    - वर्ष 1921 में बोस ने चति्तरंजन दास की स्वराज पार्टी द्वारा प्रकाशति समाचार पत्र 'फॉरवर्ड' के संपादन का कार्यभार संभाला।
- **कॉन्ग्रेस के साथ संबंध:**
  - उन्होंने बनिा शर्त स्वराज (Unqualified Swaraj) अर्थात् स्वतंत्रता का समर्थन कयिा और मोतीलाल नेहरू रपिोर्ट (Motilal Nehru Report) का वरिोध कयिा जसिमें भारत के लयिे डोमनियिन के दर्जे की बात कही गई थी।
  - उन्होंने वर्ष 1930 के नमक सत्याग्रह में सक्रयि रूप से भाग लयिा और वर्ष 1931 में सवनिय अवज्ञा आंदोलन के नलिंबन तथा गांधी-इरवनि समझौते पर हस्ताक्षर करने का वरिोध कयिा।
  - वर्ष 1930 के दशक में वह जवाहरलाल नेहरू और एम.एन. रॉय के साथ कॉन्ग्रेस की वाम राजनीतमिें संलग्न रहे।
  - बोस वर्ष 1938 में हरपिुरा में कॉन्ग्रेस के अध्यक्ष नरि्वाचति हुए।
  - वर्ष 1939 में त्रपिुरी (Tripuri) में उन्होंने गांधी जी के उम्मीदवार पट्टाभसिीतारमैय्या (Pattabhi Sitaramayya) के खलिाफ फरि से अध्यक्ष पद का चुनाव जीता।
  - उन्होंने एक नई पार्टी 'फॉरवर्ड ब्लॉक' की स्थापना की। इसका उद्देश्य अपने गृह राज्य बंगाल में राजनीतकि वामपंथ और प्रमुख समर्थन आधार को मज़बूत करना था।
- **भारतीय राष्ट्रीय सेना:**
  - वह जुलाई 1943 में जर्मनी से जापान-नयिंत्रति सगिापुर पहुँचे वहाँ से उन्होंने अपना प्रसद्धि नारा 'दलि्ली चलो' जारी कयिा और 21 अक्तूबर, 1943 को आज़ाद हदि सरकार तथा भारतीय राष्ट्रीय सेना के गठन की घोषणा की।
  - भारतीय राष्ट्रीय सेना का गठन पहली बार मोहन सहि और जापानी मेजर इवचिी फुजवािरा (Iwaichi Fujiwara) के नेतृत्व में कयिा गया था तथा इसमें मलाया (वर्तमान मलेशयिा) अभयिान के दौरान सगिापुर में जापान द्वारा कैद कयिे गए ब्रटिशि-भारतीय सेना के युद्ध बंदयिों को शामलि कयिा गया था।

- साथ ही इसमें सिंगापुर की जेल में बंद भारतीय कैदी और दक्षिण-पूर्व एशिया के भारतीय नागरिक भी शामिल थे। इसकी सैन्य संख्या बढ़कर 50,000 हो गई थी।
- INA ने वर्ष 1944 में इम्फाल और बर्मा में भारत की सीमा के भीतर मित्र देशों की सेनाओं का मुकाबला किया।
- नवंबर 1945 में ब्रिटिश सरकार द्वारा INA के सदस्यों पर मुकदमा चलाए जाने के तुरंत बाद पूरे देश में बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए।

- **मृत्यु:**
  - वर्ष 1945 में ताइवान में विमान दुर्घटनाग्रस्त में उनकी मृत्यु हो गई। हालाँकि अभी भी उनकी मृत्यु के संबंध में कई राज छिपे हुए हैं।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, पिछले वर्ष के प्रश्न (PYQ)

प्रश्न . भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान निम्नलिखित में से किसने 'फ्री इंडियन लीजन' नामक सेना स्थापित की थी? (2008)

(a) लाला हरदयाल
(b) रासबिहारी बोस
(c) सुभाष चंद्र बोस
(d) वी.डी. सावरकर

उत्तर: c

व्याख्या:

- फ्री इंडियन लीजन भारतीय स्वयंसेवकों द्वारा गठित पैदल सेना रेजिमेंट थी। जो सेना युद्ध के भारतीय कैदियों और यूरोप में प्रवासियों से बनी थी।
- भारतीय स्वतंत्रता नेता, नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने के लिये जर्मन सरकार की मदद से इस सेना का गठन किया। इस सेना को **"टाइगर लीजन"** के नाम से भी जाना जाता है।

अतः विकल्प (c) सही है।

प्रश्न. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक आकांक्षाओं के ताबूत में नौसैनिक विद्रोह किस तरह से आखिरी कील साबित हुआ? (मुख्य परीक्षा, 2014)

स्रोत: टाइम्स ऑफ इंडिया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/kartavya-path